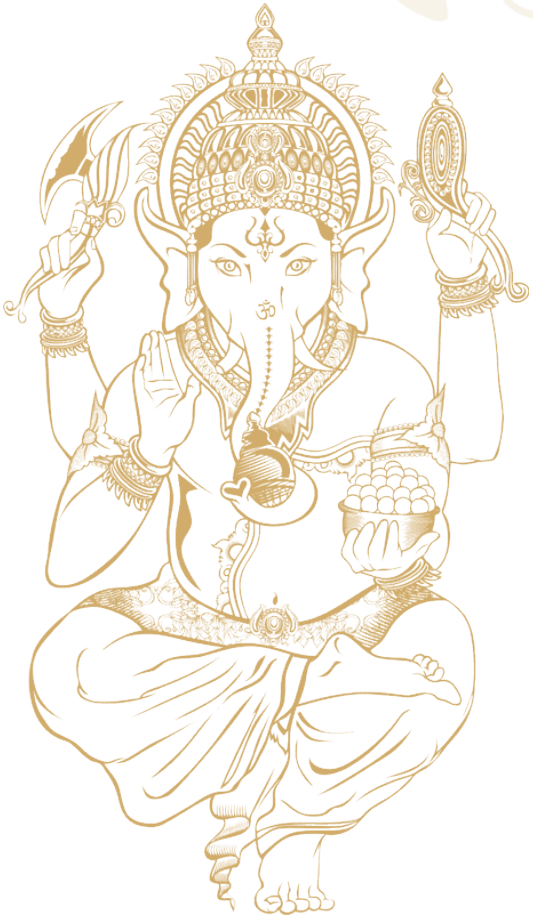

Mr. Mohit mohta

01 Sep 1997

10:50 AM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 119749402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/09/1997**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:50:00 घंटे**
इष्ट	11:27:27 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:13:28 घंटे
वेलान्तर	-00:00:02 घंटे
साम्पातिक काल	08:55:08 घंटे
सूर्योदय	06:15:01 घंटे
सूर्यास्त	18:57:33 घंटे
दिनमान	12:42:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:59:24 सिंह
लग्न के अंश	14:32:30 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:32:30	310:51:23	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			सिंह	14:59:24	00:58:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			सिंह	06:36:49	11:50:33	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			तुला	17:28:21	00:39:02	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	13:45:24	00:55:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		मक	20:23:56	00:06:26	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	नीच राशि
शुक्र			कन्या	23:27:28	01:10:33	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	नीच राशि
शनि	व		मीन	25:45:36	00:02:57	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:53:10	00:01:06	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:53:10	00:01:06	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:38:14	00:01:52	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप	व		मक	03:43:46	00:01:07	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:06:10	00:00:38	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	17:30:00	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:26

लग्न-चलित

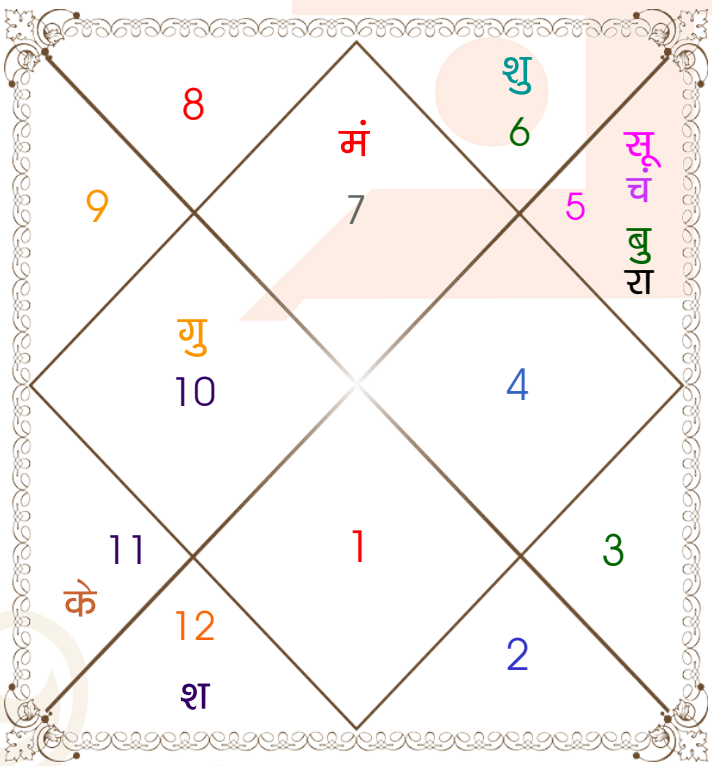

चन्द्र कुंडली

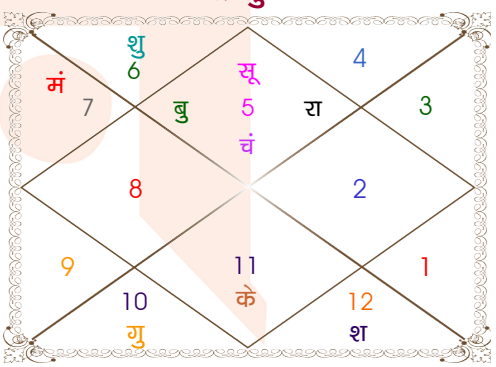

नवमांश कुंडली

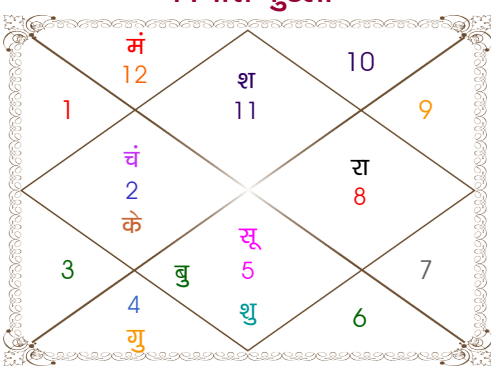

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/09/1997		13/03/2001		13/03/2021		13/03/2027		13/03/2037	
13/03/2001		13/03/2021		13/03/2027		13/03/2037		12/03/2044	
	00/00/0000	शुक्र	12/07/2004	सूर्य	30/06/2021	चंद्र	11/01/2028	मंगल	09/08/2037
	00/00/0000	सूर्य	12/07/2005	चंद्र	30/12/2021	मंगल	11/08/2028	राहु	27/08/2038
	00/00/0000	चंद्र	13/03/2007	मंगल	07/05/2022	राहु	10/02/2030	गुरु	03/08/2039
	00/00/0000	मंगल	12/05/2008	राहु	31/03/2023	गुरु	12/06/2031	शनि	11/09/2040
	01/09/1997	राहु	13/05/2011	गुरु	17/01/2024	शनि	11/01/2033	बुध	08/09/2041
राहु	01/03/1998	गुरु	11/01/2014	शनि	29/12/2024	बुध	12/06/2034	केतु	04/02/2042
गुरु	04/02/1999	शनि	13/03/2017	बुध	05/11/2025	केतु	11/01/2035	शुक्र	06/04/2043
शनि	15/03/2000	बुध	11/01/2020	केतु	13/03/2026	शुक्र	11/09/2036	सूर्य	12/08/2043
बुध	13/03/2001	केतु	13/03/2021	शुक्र	13/03/2027	सूर्य	13/03/2037	चंद्र	12/03/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/03/2044		13/03/2062		13/03/2078		13/03/2097		14/03/2114	
13/03/2062		13/03/2078		13/03/2097		14/03/2114		00/00/0000	
राहु	23/11/2046	गुरु	30/04/2064	शनि	16/03/2081	बुध	09/08/2099	केतु	10/08/2114
गुरु	18/04/2049	शनि	11/11/2066	बुध	24/11/2083	केतु	06/08/2100	शुक्र	10/10/2115
शनि	23/02/2052	बुध	16/02/2069	केतु	02/01/2085	शुक्र	07/06/2103	सूर्य	15/02/2116
बुध	11/09/2054	केतु	23/01/2070	शुक्र	03/03/2088	सूर्य	13/04/2104	चंद्र	15/09/2116
केतु	30/09/2055	शुक्र	23/09/2072	सूर्य	13/02/2089	चंद्र	12/09/2105	मंगल	11/02/2117
शुक्र	30/09/2058	सूर्य	12/07/2073	चंद्र	14/09/2090	मंगल	09/09/2106	राहु	02/09/2117
सूर्य	24/08/2059	चंद्र	11/11/2074	मंगल	24/10/2091	राहु	29/03/2109		00/00/0000
चंद्र	22/02/2061	मंगल	18/10/2075	राहु	30/08/2094	गुरु	05/07/2111		00/00/0000
मंगल	13/03/2062	राहु	13/03/2078	गुरु	13/03/2097	शनि	14/03/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।